[This question paper contains 6 printed pages.]

7952 *Your Roll No. .....*

LL.B. / VI Term **E**

Paper LB-6046 : LAW OF INSOLVENCY

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :– Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :– इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any **Five** *questions.*
All *questions carry equal marks.*

किन्हीं **पाँच** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*
सभी *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

1. Attempt briefly **any 4** of the following :

   (a) Conditions to be fulfilled by a creditor for filing insolvency petition

   (b) Powers of official Receiver

P.T.O.

(c) Protection Order

(d) Wheather a Joint family can be declared insolvent ?

(e) Wheather a minor can be declared as insolvent ?

Give reasons

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर लिखिए :

(क) दिवाला याचिका फाइल करने हेतु लेनदार द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें ।

(ख) शासकीय परिसमापक की शक्तियां ।

(ग) संरक्षण आदेश ।

(घ) क्या कोई संयुक्त परिवार दिवालिया घोषित हो सकता है ?

(ङ) क्या किसी अवयस्क को दिवालिया घोषित किया जा सकता है ? कारण प्रस्तुत कीजिए ।

2. Write short notes on **any 2** of the following :

(a) Doctrine of Relation back U/S-8 of Provincial Insolvency Act

(b) Doctrine of Reputed Ownership

(c) Section-4 of Provincial insolvency Act

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) प्रान्तीय दिवाला अधिनियम की धारा 8 के अन्तर्गत Relation back का सिद्धान्त

(ख) ख्यात स्वामित्व का सिद्धान्त

(ग) प्रान्तीय दिवाला अधिनियम की धारा 4

3. What is the significance of an order of annulment. Explain with the help of relevant statutory provisions of Provincial Insolvency Act, 1920. Can an order of annulment be passed without giving notice to the petitioning creditors ? Explain with the help of decided cases.

बातिलीकरण के आदेश की क्या सार्थकता है ? प्रान्तीय दिवाला अधिनियम 1920 के सुसंगत कानूनी उपबंधों की सहायता से स्पष्ट कीजिए। क्या अर्जी देने वाले लेनदार को नोटिस दिए बिना बातिलीकरण का आदेश पारित किया जा सकता है ? विनिश्चित केसों की सहायता से स्पष्ट कीजिए।

4. Refusal of an absolute order of discharge is district from absolute refusal of an order of discharge. Discuss with the help of cases.

P.T.O.

उन्मोचन के आत्यंतिक आदेश का इंकार उन्मोचन के आदेश के आत्यंतिक इंकार से सुभिन्न है। केसों की सहायता से विवेचन कीजिए।

5. On the making of an order of adjudications the whole of the property of the insolvent shall vest in the court or in a receiver and shall become divisible among the creditors. What are the exceptions to the above rule ? What kind of properties can be exempted ? Justify your answer with the help of relevant statutory provisions and case laws.

अधिनिर्णायन का आदेश दिए जाने पर दिवालिया की सम्पूर्ण सम्पत्ति न्यायालय अथवा परिसमापक में निहित हो जाएगी तथा लेनदारों में विभाज्य होगी। उपर्युक्त नियम के क्या अपवाद हैं ? किस प्रकार की सम्पत्तियों को छूट प्राप्त हो सकती है ? सुसंगत कानूनी उपबंधों और निर्णयविधियों की सहायता से अपने उत्तर का औचित्य दर्शाइए।

6. Mere inability to pay debts by a debtor is not sufficient to institute an insolvency petition by the creditors unless the debtors has committed an act of insolvency. Discuss the significance of Section-6 of Provincial Insolvency Act in the light of this statement.

ऋणी द्वारा ऋण का संदाय करने में असमर्थता मात्र लेनदारों द्वारा दिवाला याचिका संस्थित करने के लिए तब तक पर्याप्त नहीं है जब तक ऋणी ने कोई दिवाला कृत्य नहीं किया है। इस कथन को ध्यान में रखते हुए प्रान्तीय दिवाला अधिनियम की धारा 6 की सार्थकता का विवेचन कीजिए।

7. Discuss the sights of secured creditor U/S-28 in light of decision in the case of "Kalachand Banerjee Vs. Jagan Nath Marwari, AIR 1927 PC108.

कलाचंद बनर्जी बनाम *जगन नाथ मारवाड़ी* ए आई आर 1927 पीसी 108 केस में विनिश्चय को ध्यान में रखते हुए धारा 28 के अन्तर्गत प्रतिभूत लेनदार के अधिकार का विवेचन कीजिए।

8. (a) Under what circumstances a partnership firm can be declared as Insolvent ? Cite relevant case laws and statutory provisions.

(b) Discuss the provisions of Sec-28(7) and S-55 of Provincial Insolvency Act in the light of judgement in "Ibrahim Vs. A.G. Pancholi Vakil". (10+10)

(क) किन परिस्थितियों में कोई भागीदारी फर्म दिवालिया घोषित हो सकती है ? सुसंगत निर्णय विधि और कानूनी उपबंधों का हवाला दीजिए।

P.T.O.

(ख) *इब्राहीम* बनाम *ए. जी. पंचाली वकील* में निर्णय को ध्यान में रखते हुए प्रान्तीय दिवाला अधिनियम की धारा 28(7) और धारा-55 के उपबंधों का विवेचन कीजिए।